भाषा विज्ञान

Core Course						
Course Code	Course Title	L	T	P	CH	CR
MHND1C005T	भाषा विज्ञान	3	1	0	4	4

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- भाषाविज्ञान के स्वरूप, पद्धतियों एवं शाखाओं का बोध होता है।
- ध्वनि विज्ञान के अर्थ, परिभाषा, उच्चारण अवयव एवं ध्वनि परिवर्तन की गहरी समझ होती है।
- रूप विज्ञान के शब्द, पद, तत्व भेद एवं रूपिमों से अवगत होंगे।
- वाक्य विज्ञान का अर्थ, मूलाधार, प्रकार एवं दिशाओं की स्थिति से परिचित होंगे।
- अर्थ निर्माण प्रक्रिया, अर्थ बोध के साधन एवं परिवर्तन के कारणों की गहरी समझ विकसित होती है।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई. 1

भाषाविज्ञान : परिभाषा, स्वरूप, भाषाविज्ञान की अध्ययन-पद्धतियाँ, भाषाविज्ञान की प्रमुख शाखाएँ- शैलीविज्ञान, समाज भाषाविज्ञान, कोशविज्ञान का सामान्य परिचय।

इकाई. 2

स्वनविज्ञान (ध्वनिविज्ञान) : परिभाषा, स्वनिम और संस्वन, उच्चारण स्वनविज्ञान (स्वनयंत्र और स्वन उत्पादन प्रक्रिया), ध्वनिभेद, मानकस्वर, स्वनिमवितरण-सिद्धांत, ध्वनिपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

इकाई. 3

रूपविज्ञान : शब्द के स्वरूप-भेद, रूप (पद) के स्वरूप-भेद, अर्थतत्व-संबंधतत्व, संबंध-तत्त्व के भेद, रूपिम (रूपग्राम) के संरूप, रूपिमों (रूपग्राम) का वर्गीकरण।

इकाई. 4

वाक्यविज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के मूलाधार, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार, वाक्यपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

इकाई. 5

अर्थविज्ञान: शब्दार्थ सम्बन्ध विविधवाद, अर्थ-बोध, अर्थपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

Scanned with OKEN Scanner

अनुशंसित ग्रंथ:

1. भाषा विज्ञान की भूमिका: देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान: भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. सामान्य भाषाविज्ञान: बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
4. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास: उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद,
5. हिंदी भाषा का इतिहास: भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,
6. आधुनिक भाषाविज्ञान: भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

प्रो. भारत भूषण / Prof. Bharat Bhushan
आचार्य / Professor
हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
Department of Hindi & Other Indian Languages
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Jammu